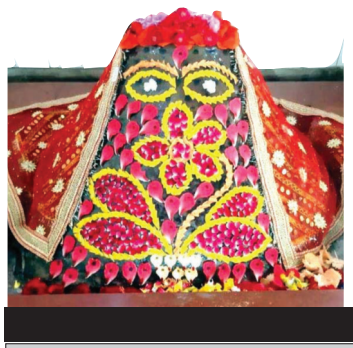

।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

● विक्रम संवत 2080 फाल्गुन शुक्ल पक्ष सप्तमी, 16 मार्च से 31 मार्च 2024 , 16 March to 31 March 2024, ● वर्ष 3 (Year-3), ● अंक 56 ● पृष्ठ 4 (Page-4) ● मूल्य रु.2 (Price 2/-)

चुनाव में इन 10 मुद्दों की सुनाई देती रहेगी गूंज

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। इस बार भी देश की 543 संसदीय सीटों के लिए सात चरणों में वोटिंग होगी। चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होकर 1 जून तक चलेंगे। वोटों की गिनती 4 जून को होगी। ऐसे में बीजेपी, कांग्रेस समेत अन्य क्षेत्रीय दल अलग-अलग मुद्दों पर एक दूसरे पर हमला करेंगे। अब सवाल है कि इस बार के आम चुनावों में कौन-कौन से मुद्दे चर्चा के केंद्र में रहेंगे। जानकारों का मानना है कि बीजेपी की राम मंदिर, नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों के प्रमुखता से भुना सकती है। वहीं, विपक्ष मंहगाई, बेरोजगारी के साथ ही ईडी, सीबीआई जैसे केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग समेत अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। ऐसे में नजर डालते हैं देश के आम चुनाव में हावी रहने की उम्मीद है।

राम मंदिर अयोध्या

मंदिर की राजनीति तब तक अपनी चमक खो चुकी थी जब तक मोदी ने इसे जनवरी में एक भव्य समारोह के माध्यम से सामने और केंद्र में नहीं ला दिया। इसने बीजेपी के हिंदुत्व की नैया पार लगा दी है। बीजेपी की राजनीति इसी तरह के अन्य 'कारणों' से भी संचालित होती हैं। ऐसे में मंदिर के साथ ही नगरिकता संशोधन अधिनिय के साथ ही ज्ञानवापी के अंदर पूजा की बहाली, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करना, 'सांस्कृतिक पुनरुद्धार' के बारे में सामान्य शोर... ये सभी और बहुत कुछ बीजेपी के लिए इस बार के चुनावों में लिए एक ठोस पिच बनाने का मौका दे रहे हैं। बीजेपी को उम्मीद है कि हिंदू पहुंच विपक्ष के जाति जनगणना नाटकों पर भारी पड़ेगी। राम मंदिर मोदी की व्यक्तिगत विश्वसनीयता को भी बढ़ाता है।

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए)

सीएए नियम नोटिफाई हो गए हैं। इस पर राजनीति शुरू हो गई है, लेकिन इसका बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों के बाहर और असम के कुछ हिस्सों में चुनावों पर क्या प्रभाव पड़ेगा? यह बंगाल में खेला जाएगा, यह सीएए से लाभान्वित होने वाले दलित समुदाय मतुआ तक ममता की पहुंच से स्पष्ट है। असम में बांग्लाभाषी खुश होंगे, असमियाभाषी नाराज होंगे। अन्य जगहों पर, सीएए का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि भाजपा हिंदू 'भावना' को बढ़ावा देने के लिए इसका कितना उपयोग कर सकती है। वहीं, विपक्ष इसका उपयोग ध्रुवीकरण की बात करने के लिए कर सकता है। विपक्ष का काम कठिन है।

ईडी-सीबीआई- जांच एजेंसियों ने कभी भी राजनीतिक चर्चा में इतना ध्यान नहीं दिया। बीजेपी का कहना है कि अधिकांश विपक्षी नेता भ्रष्ट हैं और इसलिए यह सही है कि वे सीबीआई/ईडी के दायरे में हैं। विपक्ष का कहना है कि ये बीजेपी की बदले की राजनीति है. इसमें यह भी कहा गया है कि जो नेता भाजपा के प्रति निष्ठा बदल लेते हैं, उनका सफाया हो जाता है। बीजेपी का कहना है कि विपक्षी नेताओं पर छापे में मिली सारी नकदी और कीमती सामान पर नजर डालें। विधानसभा चुनावों में इसका क्या असर होगा, यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किससे बात करते हैं। इसलिए, लोकसभा चुनावों पर प्रभाव का अनुमान लगाना कठिन है। लेकिन उम्मीद है कि दोनों तरफ से बयानबाजी होगी, जिसका फायदा शायद मोदी को होगा।

गठबंधन की राजनीति

पीएम मोदी ने दूसरों की गलतियों से सीखा है। 2004 में वाजपेयी ने डीएमके और पासवान को दूर कर दिया और इसकी कीमत चुकाई। मोदी, 2024 में, पसंदीदा होने के बावजूद और भारतीय गठबंधन की सभी दिखाई देने वाली समस्याओं के बावजूद, नीतीश से लेकर नायडू तक, एनडीए के बिछड़े हुए सहयोगियों को वापस लाने के लिए के जुटे हुए हैं। उन्होंने जनता दल जैसे पुराने दुश्मनों को भी गले लगा लिया है। बीजेडी के साथ बातचीत अभी भी जारी होती दिख रही है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तमिलनाडु, बिहार, महाराष्ट्र में सीटों के बंटवारे के बावजूद इंडिया गठबंधन अव्यवस्थित दिख रहा है।

गठबंधन की राजनीति

पीएम मोदी ने दूसरों की गलतियों से सीखा है। 2004 में वाजपेयी ने डीएमके और पासवान को दूर कर दिया और इसकी कीमत चुकाई। मोदी, 2024 में, पसंदीदा होने के बावजूद और भारतीय गठबंधन की सभी दिखाई देने वाली समस्याओं के बावजूद, नीतीश से लेकर नायडू तक, एनडीए के बिछड़े हुए सहयोगियों को वापस लाने के लिए के जुटे हुए हैं। उन्होंने जनता दल जैसे पुराने दुश्मनों को भी गले लगा लिया है। बीजेडी के साथ बातचीत अभी भी जारी होती दिख रही है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तमिलनाडु, बिहार, महाराष्ट्र में सीटों के बंटवारे के बावजूद इंडिया गठबंधन अव्यवस्थित दिख रहा है।

महंगाई

जब मुद्रास्फीति या आम भाषा में कहें कि महंगाई की बात आती है तो मोदी अपने अधिकांश पूर्ववर्तियों की तुलना में अधिक सतर्क रहते हैं। उन्होंने खुदरा ईंधन की कीमतों को महीनों तक स्थिर रखा, फिर तीन दिन पहले कीमतें कम कीं। एलपीजी की कीमतों में बार-बार कटौती की। खाद्य निर्यात पर एक से अधिक बार प्रतिबंध लगाया। 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त अनाज दिया। उन्होंने अर्थशास्त्रियों की आलोचना की परवाह नहीं की। कुछ प्रकार की खाद्य मुद्रास्फीति बनी हुई है, लेकिन, कुछ झटकों को छोड़कर, यह एक बड़ा राष्ट्रीय कारक होने की संभावना नहीं है जो विपक्ष के लिए भूमिका निभाएगा। मोदी ने जो एक स्मार्ट काम किया, वह मांग-प्रेरित मुद्रास्फीति से बचते हुए, महामारी घाटे के वित्तपोषण को मध्यम रखना था।

बेरोजगारी

संभावित रूप से, विपक्ष का सबसे शक्तिशाली आर्थिक हथियार। नौकरी की समस्या है। यहां तक कि भारत सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि कई 'रोज़गार' भारतीय या तो स्व-रोज़गार में हैं या अवैतनिक, घरेलू रोज़गार में हैं। निजी डेटा एक गंभीर तस्वीर पेश करता है। कुछ सरकारी नौकरियों के लिए अंधी दौड़, विदेशों में कम/मध्यम कौशल वाली नौकरियां खोजने की होड़, विनिर्माण की बढ़ती पूंजी तीव्रता, जिसका अर्थ है निवेश की प्रति इकाई कम नौकरियां, कौशल की कमी जो कई भारतीयों को विभिन्न नौकरियों के लिए अनुपयुक्त बनाती है - वे सभी मुद्दे हैं। लेकिन भारतीय चुनावों में नौकरियां कभी भी अपने आप में एक बड़ा निर्धारण कारक नहीं रही हैं।

स्थिरता

इस कारक की प्रमुखता आती-जाती रहती है। जनता पार्टी के टूटने के बाद इंदिरा गांधी इस पर सवार हुईं, और उनकी हत्या के बाद राजीव गांधी भी इसी पर सवार हुए। तब अस्थिर और/या अराजक गठबंधनों ने भारत को चलाया। इसका अंत मनमोहन सिंह के 'गठबंधन की मजबूरियों' वाले बयान के साथ हुआ। मोदी 2014 और 2019 में स्थिरता पर सवार रहे। 2024 में, वह मतदाताओं को बताएंगे कि एक मजबूत भारत को एक स्थिर सरकार की जरूरत है। 'रैगटैग' या अव्यवस्थित सरकार को संभालने के लिए बाहरी चुनौतियां बहुत अधिक हैं। विपक्ष कहेगा कि 'मज़बूत' का मतलब है 'सत्तावादी' और कुछ वर्गों, क्षेत्रों का 'अशक्तीकरण' है।

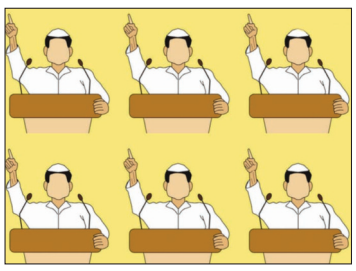

सामाजिक कल्याण

हर कोई इसका फायदा उठा रहा है। अब सवाल है कि किस पार्टी को कहां मिलेगा मतदाताओं का समर्थन? मोदी को इसमें महारत हासिल है। अब उसे 'कल्याण की गारंटी' है। बीजेपी का जातिगत गणित उसके आलोचकों को भी प्रभावित करता है। कल्याण के मामले में, उन्होंने अब तक अधिकांश स्थानों पर कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों को पछाड़ दिया है। ऐसा नहीं है कि उत्तरार्द्ध वादे पूरे नहीं कर रहे हैं। दोनों पक्षों से अपेक्षा करें कि वे एक-दूसरे की लाभ योजनाओं में कमियां निकालें। इतनी सारी पेशकश के साथ, कल्याण आवश्यक हो सकता है लेकिन जीतने के लिए पर्याप्त शर्त नहीं। यहीं पर जाति आती है। बीजेपी ने स्लाइसिंग और डाइसिंग को एक अच्छी कला बना दिया है। विपक्ष को अभी काफी कुछ करना बाकी है।

जीडीपी वृद्धि

अर्थशास्त्री हमेशा उम्मीद करते हैं कि जीडीपी के आंकड़े का मतदान संबंधी निर्णयों पर असर होगा। लेकिन यह जीवंत अनुभव है, न कि व्यापक आंकड़े, जो यह निर्धारित करते हैं कि मतदाता सरकार की अर्थव्यवस्था को संभालने के तरीके का आकलन कैसे करते हैं। इसलिए, मोदी सरकार में जीडीपी नंबर के बारे में अर्थशास्त्रियों की उग्र बहस से बहुत कम मायने रखती है। हालांकि, इसमें दो बातें हैं, पहली, क्या सरकार इन संख्याओं को मोदी की स्पष्ट और पहले से मौजूद अपील में जोड़कर एक और लोकप्रिय संदेश में बदल सकती है। दूसरा, स्थानीय अनुभव, आंशिक रूप से कल्याण हस्तांतरण से कैसे प्रभावित होते हैं। ये वोटर को अहसास करा रहे हैं। इसके बावजूद मध्यम वर्ग, जिन्हें बहुसंख्यकों से अधिक लाभ हुआ है और जिन्होंने बाज़ारों में निवेश किया है, उन्हें यह संदेश अधिक ठोस लगेगा।

दुनिया में धमक

यह सिर्फ भारत सरकार की बात नहीं है कि कैसे उसकी नीतियों ने विश्व स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को और अधिक बढ़ा दिया है। बहुत से विदेशी पंडित इसी तरह की बातें कहते हैं, यद्यपि प्रश्नों की अधिक सहायता के साथ। मोदी की ऊर्जावान और चतुर कूटनीति - पश्चिमी विरोध को नजरअंदाज करके रूसी कच्चा तेल खरीदना, एक अच्छा उदाहरण है। ठोस आर्थिक आंकड़े 'उभरते' भारत को भाजपा की पिच बनाते हैं, जिस पर विपक्ष को सवाल उठाना मुश्किल होगा। लेकिन शायद अब तक जो चीज़ गायब है वह लोकप्रिय प्रस्ताव की लहर है जो ऐसी चीजों पर मतदाताओं की धारणा को वोट में बदल देती है। बेशक, मोदी इसे संबोधित करने के लिए काम करेंगे।

पेय जल के लिए जाना पड़ता है ढाई किमी दूर!

पुरुलिया : वोट आ गया है। हालांकि, तस्वीर नहीं बदली, पानी के लिए अभी भी जाना होगा ढाई किमी दूर! शुद्ध पेयजल मिलना भी सौभाग्य की बात है। पुरुलिया के अर्शा ग्राम पंचायत के तिलाईटांड़ गांव के बैदाटांड़ टोले में जलसर्वे से लेकर हर घर जल परियोजना तक सब कुछ ध्वस्त होता नजर आ रहा है– ऐसी स्थानीय लोगों की राय है। अयोध्या पहाड़ी की सड़क पर बैदटांड पहुंचने के लिए शिर्काबाद जंक्शन से दाहिनी ओर मुड़ना पड़ता है। पहाड़ की तलहटी में पत्थर के टीलों पर लगभग सौ लोगों की बस्ती है। इस आदिवासी आबादी वाले इलाके तक पहुंचने के लिए आपको ऊंचे–नीचे रास्तों को पार करना पड़ता है।पता चला कि वहां कोई ट्यूबवेल या सरकारी कुआं नहीं है। महिलाएं लंगड़े दरदी (छोटा कुआं) से हाथ से पानी इकट्ठा कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वहां छोटे–छोटे पत्थरों से छेद करके पानी निकाला जाता है। फिर गंदे पानी को कपड़े से छानना पड़ता है। कथित तौर पर पानी की कमी के कारण कई लोग घर में शौचालय का उपयोग नहीं कर पाते हैं। स्थानीय लोगों में बहामनी मुर्मू, लक्ष्मी मुर्मुरा ने कहा, गर्मी के दिनों में दारी (छोटा कुआं) सूख जाता है और परेशानी बढ़ जाती है। कौन जानता है कि हमारा दुःख कब समाप्त होगा! अरशा पंचायत समिति के अध्यक्ष बिस्वरूप माझी ने कहा, पहले वहां कोई बस्ती नहीं थी। तिलाईटांड़ गांव से कुछ परिवार वहां चले गये हैं। उनकी पानी की समस्या देखी गयी है। मैं इस पर विचार कर रहा हूं कि जल संकट का समाधान कैसे किया जाए। अर्शा ब्लॉक के बीडीओ गोपाल सरकार ने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। किसी भी समस्या का समाधान होगा।

कोलकाता में पकड़ा गया 'बेहरूपिया', लक्जरी होटल में ठहरा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक 'बेहरूपिया' पकड़ा गया है। सेना अधिकारी के भेष में इस धोखेबाज ने शनिवार को कोलकाता में भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय फोर्ट विलियम में प्रवेश करने की कोशिश की। हालांकि, उसका प्रयास तब विफल हो गया, जब वह अधिकारियों के एंट्री रजिस्टर में अपनी डिटेल नहीं लिख सका. ऐसे में पुलिस को शक हुआ और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। धोखेबाज़ खुद को 24 साल का बीटेक छात्र होने का दावा करता है लेकिन इस पर कोई स्पष्टीकरण नहीं है।

यह धोखेबाज खुद को सेना का मेजर बता रहा था और एक काले रंग की बीएमडब्ल्यू कार में फोर्ट विलियम पहुंचा, जिसे एक ड्राइवर चला रहा था। एंट्री गेट पर उसने अपने फोन पर एक आईडी कार्ड दिखाया. आईडी कार्ड पर 5वीं गोरखा राइफल्स (फ्रंटियर फोर्स) यूनिट के मेजर एमएस चौहान का नाम लिखा हुआ था। फिर उससे अधिकारी के एंट्री रजिस्टर में अपनी डिटेल लिखने के लिए कहा गया. हालांकि, वह एंट्री करते समय अपने मोबाइल नंबर के बारे में बात करता रहा. तभी ऑन–ड्यूटी पुलिसकर्मी को कुछ गड़बड़ का संदेह हुआ और उसने कंट्रोल रूम को सूचित किया। पुलिस को जांच के बाद पता चला कि यह धोखेबाज असल में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम का रहने वाला है. वह आदतन अपराधी निकला और सितंबर 2023 से फरवरी 2024 तक ओडिशा के किशोर गृह में बंद था। 13 फरवरी को अपनी रिहाई के बाद धोखेबाज कटक के होटल प्राइड में रुका। उसने होटल को N 6,393 का चूना लगाया और भाग निकला. उन्होंने 14 मार्च को हावड़ा रेलवे स्टेशन तक बिना टिकट यात्रा की और हवाई अड्डे के लिए कैब ली। रास्ते में उन्होंने होटल जेडब्ल्यू मैरियट को एयरपोर्ट से लेने के लिए कैब भेजने के लिए फोन किया और वहीं रुक गए। फिर उसने होटल से बीएमडब्ल्यू कैब किराए पर ली और ड्राइवर को बताया कि वह राष्ट्रपति के अंगरक्षक रेजिमेंट के पैनल में शामिल एक सैन्य अधिकारी है। कैब ड्राइवर ने धोखेबाज पर भरोसा किया और अपनी बेटी को रक्षा कोटा के तहत जादवपुर विश्वविद्यालय में दाखिला दिलाने का अनुरोध किया. विश्वविद्यालय की यात्रा के बाद, वे आगे की औपचारिकताओं के लिए फोर्ट विलियम गए। वहां उसकी नौटंकी पकड़ी गई और उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया. धोखेबाज़ ने कई लक्जरी होटलों और दुकानों में फेक डिजिटल भुगतान किया था। वह भीम ऐप के जरिए ऑनलाइन भुगतान करता था और पेमेंट न होने का बहाना करके, लोगों को ठगता था. जेडब्ल्यू मैरियट होटल के जिस कमरे में धोखेबाज रुका था, वहां कर्मचारियों द्वारा तलाशी ली गई, लेकिन कोई निजी सामान या दस्तावेज़ नहीं मिला। हालांकि, वह एक अन्य आईडी कार्ड का उपयोग करके कटक और कोलकाता दोनों के होटलों में रुका था, जिस पर हैदराबाद राज्य पुलिस के कांस्टेबल सुनील कुमार का नाम दर्ज था।

बंगाल में सात चरणों में होंगे लोकसभा चुनाव, दो विधानसभा का भी उपचुनाव

पहले चरण में 19 अप्रैल को उत्तर बंगाल की तीन सीटों पर, कोलकाता व आसपास की 9 लोकसभा सीटों पर अंतिम चरण में 1 जून को पड़ेंगे वोट

कोलकाता : केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने शनिवार को लोकसभा चुनाव– 2024 की तारीखों की घोषणा कर दी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि देशभर में 18वीं लोकसभा का चुनाव सात चरणों में होंगे। इसमें तीन राज्यों बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार में पूरे सात चरणों में ही चुनाव होंगे। 19 अप्रैल को पहले चरण, दूसरा चरण 26 अप्रैल, तीसरा चरण सात मई, चौथा चरण 13 मई, पांचवां चरण 20 मई, छठा चरण 25 मई और सातवें चरण का मतदान एक जून को होगा। चार जून को वोटों की गिनती होगी।

आयोग ने इसी के साथ विधानसभा उपचुनाव की तारीखों की भी घोषणा की। मुर्शिदाबाद जिले की भगवानगोला सीट पर सात मई को जबकि उत्तर 24 परगना की बरानगर सीट के लिए एक जून को उपचुनाव होगा। भगवानगोला सीट सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक इदरीस अली के निधन के कारण रिक्त हुई है। वहीं, बरानगर सीट तापस राय द्वारा तृणमूल विधायक के पद और पार्टी से इस्तीफा देने की वजह से रिक्त हुई है।

लोकसभा के लिए कब कहां वोट – बंगाल में पहले व दूसरे चरण में उत्तर बंगाल की छह लोकसभा सीटों के लिए वोट पड़ेंगे। इनमें 19 अप्रैल को पहले चरण में तीन लोकसभा सीटों जलपाईगुड़ी, कूचबिहार व अलीपुरद्वार के लिए मतदान होंगे। दूसरे चरण में 26 अप्रैल को तीन सीटों– दार्जिलिंग, रायगंज व बालुरघाट के लिए वोट पड़ेंगे। तीसरे चरण में सात मई को चार लोकसभा सीटों– मालदा उत्तर एवं मालदा दक्षिण, मुर्शिदाबाद व जंगीपुर सीट के लिए मतदान होंगे। चौथे चरण में 13 मई को आठ सीटों– बहरमपुर, कृष्णानगर, राणाघाट, बद्र्धमान पूर्व, बद्र्धमान– दुर्गापुर, आसनसोल, बोलपुर व बीरभूम में मतदान होंगे। पांचवें चरण में 20 मई को सात सीटों– बनगांव, बैरकपुर, हावड़ा, उलुबेडिय़ा, श्रीरामपुर, हुगली व आरामबाग के लिए मतदान होंगे। छठे चरण में 25 मई को आठ लोकसभा सीटों– तमलुक, कांथी, घाटाल, झाडग़्राम, मेदिनीपुर, पुरुलिया, बांकुड़ा व विष्णुपुर के लिए मतदान होंगे। सातवें व अंतिम चरण में एक जून को कोलकाता व आसपास की नौ लोकसभा सीटों– दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता उत्तर एवं कोलकाता दक्षिण के लिए मतदान होंगे।

पहले चरण के लिए 20 मार्च से होंगे नामांकन– चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देश के अनुसार, पहले चरण के नामांकन के लिए 20 मार्च को अधिसूचना जारी होगी। अधिसूचना जारी होने के साथ पहले चरण की तीन सीटों के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। 27 मार्च को नामांकन पत्र जमा देने का अंतिम दिन है। 28 मार्च को नामांकन की जांच की जाएगी। 30 मार्च को नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तिथि है।

दूसरे चरण के लिए 28 मार्च से नामांकन– दूसरे चरण के नामांकन के लिए 28 मार्च को अधिसूचना जारी होगी और चार अप्रैल को नामांकन पत्र जमा देने का अंतिम दिन है। पांच अप्रैल को नामांकन की जांच की जाएगी। आठ अप्रैल को नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तिथि है।

तीसरे चरण के लिए 12 अप्रैल से नामांकन– तीसरे चरण के नामांकन के लिए 12 अप्रैल को अधिसूचना जारी होगी और 19 अप्रैल को नामांकन पत्र जमा देने का अंतिम दिन है। 20 अप्रैल को नामांकन की जांच की जाएगी। 22 अप्रैल को नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तिथि है।

चौथे चरण के लिए 18 अप्रैल से नामांकन– चौथे चरण के नामांकन के लिए 18 अप्रैल को अधिसूचना जारी होगी और 25 अप्रैल को नामांकन पत्र जमा देने का अंतिम दिन है। 26 अप्रैल को नामांकन की जांच की जाएगी। 29 अप्रैल को नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तिथि है।

पांचवें चरण के लिए 26 अप्रैल से नामांकन– पांचवें चरण के नामांकन के लिए 26 अप्रैल को अधिसूचना जारी होगी और तीन मई को नामांकन पत्र जमा देने का अंतिम दिन है। चार मई को नामांकन की जांच की जाएगी। छह मई को नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तिथि है।

छठे चरण के लिए २९ अप्रैल से नामांकन– छठे चरण के नामांकन के लिए 29 अप्रैल को अधिसूचना जारी होगी और छह मई को नामांकन पत्र जमा देने का अंतिम दिन है। सात मई को नामांकन की जांच की जाएगी। नौ मई को नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तिथि है।

सातवें चरण के लिए सात मई से नामांकन– सातवें व अंतिम चरण के नामांकन के लिए सात मई को अधिसूचना जारी होगी और 14 मई को नामांकन पत्र जमा देने का अंतिम दिन है। 15 मई को नामांकन की जांच की जाएगी। 17 मई को नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तिथि है।

इस छोटे देश में बहती हैं शहद की नदियां

हर साल एक्सपोर्ट से कमाता है 275 करोड़ रुपये

नई दिल्ली : क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा शहद का एक्सपोर्ट कौन देश करता है? इसका जवाब है न्यूजीलैंड। इस छोटे से देश ने 2022 में 333.34 मिलियन डॉलर यानी करीब 275 करोड़ रुपये का शहद एक्सपोर्ट किया। के मुताबिक दुनिया के नेचुरल हनी एक्सपोर्ट में न्यूजीलैंड की हिस्सेदारी करीब 12 फीसदी है। न्यूजीलैंड मनुका शहद एक्सपोर्ट करने वाला दुनिया का एकमात्र देश है। मधुमक्खी यह शहद एक खास किस्म के फूल से बनाती हैं। इसमें कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं। इस कारण दुनियाभर के कई देशों में इसकी काफी मांग है। यह काफी महंगा बिकता है। भारत में इसका 350 ग्राम का पैक करीब 4,000 रुपये का है। न्यूजीलैंड की हनी एक्सपोर्ट से होने वाली कुल कमाई में मनुका शहद की हिस्सेदारी 82 फीसदी है।

शहद एक्सपोर्ट करने के मामले में न्यूजीलैंड के बाद दूसरा नंबर चीन का है। चीन सालाना करीब 22.96 करोड़ डॉलर का हनी एक्सपोर्ट करता है। चीन में सालाना 500,000 टन शहद का उत्पादन होता है। दुनिया में शहद के कुल उत्पादन का एक चौथाई चीन में ही बनता है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर अर्जेंटीना है। इस देश ने 2020 में 17.95 करोड़ डॉलर का शहद एक्सपोर्ट किया। यह देश सालाना करीब 75,000 शहद का एक्सपोर्ट करता है। अर्जेंटीना शहद हाई क्वालिटी का माना जाता है। यूरोपीय देश जर्मनी और यूक्रेन भी शहद एक्सपोर्ट करने वाले टॉप पांच देशों में शामिल हैं। इसके बाद स्पेन, ब्राजील और हंगरी का नंबर है।

भारत में शहद उत्पादन– इस लिस्ट में भारत नौवें नंबर पर है। भारत ने 2020 में 8.756 करोड़ डॉलर का हनी एक्सपोर्ट किया था। के मुताबिक फाइनेंशियल ईयर 2021–22 में भारत ने 1,55,000 टन से अधिक शहद का उत्पादन हुआ। भारत में सबसे ज्यादा शहद उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, बिहार और मध्य प्रदेश में होता है। उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी, बहराइच, सिद्धार्थ नगर और बस्ती में शहद का सबसे ज्यादा उत्पादन होता है। गुजरात में खेड़ा, आणंद और वडोदरा, पंजाब में लुधियाना, जालंधर और अमृतसर, बिहार में वैशाली, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर तथा मध्य प्रदेश में उज्जैन, इंदौर और देवास में शहद का उत्पादन होता है।

पेट में गैस की सरल चिकित्सा

पेट में गैस बनना एक आम समस्या है। जबसे कंडे, लकड़ी या कोयलों के बजाय गैस के चूल्हों पर भोजन बनने लगा है, तब से यह समस्या कुछ अधिक ही बढ़ गयी है। पेट में दर्द होना, पेट फूलना, बार–बार डकारें आना, बार–बार पाद आना, जी मिचलाना आदि गैस बनने के लक्षण हैं। इनमें से एक या अधिक लक्षण अनुभव होते ही सावधान हो जाना चाहिए और उसकी चिकित्सा में लग जाना चाहिए। यदि समय रहते गैस की उचित चिकित्सा न की जाये, तो वह आगे चलकर अनेक भयंकर वात रोगों को जन्म दे सकती है, जैसे सिर दर्द, हाथ–पैरों में दर्द, कमर और पीठ में दर्द, गठिया, हृदय रोग, लकवा आदि। इसलिए गैस बनने की कभी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। पाचन संस्थान की ख़राबी गैस बनने का मुख्य कारण होती है। जब हम भोजन या कोई वस्तु अधिक मात्रा में खा लेते हैं या पचने में भारी चीजें खा जाते हैं, तो हमारे पाचन संस्थान पर बहुत दबाव पड़ता है। इसी दबाव से गैस बनती है और पेट में दर्द हो जाता है। कभी–कभी पेट ठीक से

साफ न होने के कारण भी गैस बनती है, जिससे दर्द हो जाता है। गैस की समस्या होने पर सबसे पहले कुछ भी खाना बन्द कर देना चाहिए। पीड़ित को केवल गुनगुना पानी एक या आधा गिलास पीने को दीजिए।

ऐसा कम से कम दो बार करके देखिए। इससे पेट साफ होगा और गैस के कारण होने वाला अधिकांश पेट दर्द इसी से चला जाएगा। यदि गर्म पानी पीने से आराम न मिले, तो लगभग आधा कप 50 मिलीलीटर सादा पानी में आठ बूँद 2 या 3 मिलीलीटर पोदीन हरा पोदीना का अर्क डालकर तत्काल पी जाना चाहिए। इससे अपचन के कारण गैस बनने से होने वाले पेट दर्द में तुरन्त आराम मिलता है। आवश्यक होने पर इसे एक बार और लिया जा सकता है। यदि इससे भी आराम नहीं मिल रहा है, तो पहले चौथाई गिलास पानी में आधे नीबू का रस निचोड़ लीजिए। नीबू के बीज पूरी तरह निकाल दीजिए। अब उसमें खाने वाला मीठा सोड़ा एक चम्मच डालकर चम्मच से हिलाइए। इससे थोड़े झाग बनेंगे। उसी समय उसे पी जाइए। ऊपर से थोड़ा सादा पानी पी लीजिए। इससे गैस के कारण होने वाला भयंकर पेट दर्द भी तत्काल चला जाता है। गैस न बने इसके लिए खान–पान में सुधार करना चाहिए और निम्नलिखित नियमों का पालन प्रतिदिन करना चाहिए–

प्रातः 6 बजे उठिए और उठते ही एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू का रस निचोड़कर और एक चम्मच शहद मिलाकर पी जाइए। फिर 5 मिनट टहलकर शौच जाइए। शौच के बाद पेडू पेट का निचला आधा भाग पर 3 मिनट तक बर्फ़ लगाइए। फिर तेजचाल से डेढ़–दो किमी टहलिए।

अपनी शक्ति के अनुसार 15–20 मिनट योगासन और प्राणायाम कीजिए। हमेशा घर का बना सात्विक भोजन कीजिए और बाज़ारू खाद्यों से बचिए। भोजन में अंकुरित अन्न अवश्य हो। भूख से अधिक कभी मत खाइए। पहली डकार आते ही खाना बन्द कर दीजिए।

नियमित अंतराल पर पर्याप्त जल पीजिए। गैस की समस्या बार–बार होने पर जीवन शैली में व्यापक सुधार की आवश्यकता होती है। ऐसी स्थिति में किसी अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए।

–डॉ. विजय कुमार सिंघल

12 घंटे की सर्जरी के बाद पेंटर को फिर से मिल गए अपने दोनों हाथ

दिल्ली : दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल ने कुछ ऐसा कर दिखाया, जिसे सुनकर हर कोई तारीफों के पुल बांध रहा है। यहां के डॉक्टरों ने मेडिकल की दुनिया में बहुत बड़ा चमत्कार कर दिखाया है। इस अस्पताल में पहली बार किसी मरीज का हैंड ट्रांसप्लांट किया गया है और यह सफल रहा। 45 वर्षीय एक युवक के दोनों हाथों का ट्रांसप्लांट किया गया है। डॉक्टर के इस कदम के बाद अब एक बार फिर युवक अपने हाथों से चित्रकारी कर पाएगा। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 12 घंटे

की लंबी सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया। दरअसल, युवक पेशे से पेंटर है। लेकिन उसने अपने दोनों हाथ एक ट्रेन दुर्घटना में गंवा दिए थे। लेकिन डॉक्टरों की कड़ी मेहनत के बाद अब युवक फिर से अपने हाथों से ब्रश थामते हुए, अपना पेंटिंग का सपना साकार कर पाएगा। डॉक्टरों की टीम के साथ–साथ इस चमत्कार में एक महिला का भी बड़ा योगदान रहा है। एक ब्रेन डेड महिला ने अपने दोनों हाथों को दान करने का फैसला किया, जिसकी वजह से युवक का हैंड ट्रांसप्लांट का ऑपरेशन हो पाया। महिला का नाम मीना मेहता है। वह दिल्ली के एक स्कूल में मैनेजर के पद पर काम करती हैं। डॉक्टर ने उन्हें इलाज के दौरान ब्रेन डेड घोषित कर दिया था। हालांकि महिला ने ब्रेन डेड होने से पहले ही युवक को अपने हाथ देने का फैसला किया था। महिला को पहले ही अपनी बीमारी के बारे में पता था। सबसे बड़ी बात यह है कि महिला ने केवल अपने हाथ ही न बल्कि किडनी, लीवर और कॉर्निया जैसे महत्वपूर्ण अंग भी दान करने का फैसला किया था।

यात्रियों को लेकर पहली बार दौड़ी नदी के नीचे चलने वाली देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो

हावड़ा : लंबी प्रतीक्षा के बाद आखिरकार शुक्रवार को लोगों का सपना सच हुआ, जब कोलकाता में एस्प्लेनेड– हावड़ा मैदान खंड पर हुगली (गंगा) नदी के नीचे से होकर चलने वाली देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो को आम यात्रियों के लिए खोल दिया गया। 4.8 किलोमीटर लंबे हावड़ा मैदान–एस्प्लेनेड खंड (ग्रीन लाइन) सहित कोलकाता में तीनों नए खंड में सुबह मेट्रो की वाणिज्यिक सेवाएं एक साथ शुरू हो गईं।सुबह सात बजे हावड़ा मैदान व एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन से यात्रियों को लेकर पहली बार देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो ट्रेन दौड़ी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते छह मार्च को कोलकाता मेट्रो के इन तीनों नए रूट हावड़ा मैदान–एस्प्लेनेड सहित कवि सुभाष–हेमंत मुखोपाध्याय (न्यू गरिया से रुबी) खंड (आरेंज लाइन) और जोका से माझेरहाट तक विस्तारित खंड (पर्पल लाइन) में मेट्रो सेवाओं का उद्घाटन किया था।इधर, अंडरवाटर मेट्रो में पहली बार

अंडरवाटर मेट्रो में पहली बार सफर के लिए लोगों में दिखा जबर्दस्त उत्साह

हावड़ा मैदान से एस्प्लेनेड का किराया मात्र 10 रुपये

सफर के लिए लोगों में जबर्दस्त उत्साह दिखा। हावड़ा मैदान मेट्रो स्टेशन के बाहर सुबह–सुबह ही काफी संख्या में लोग पहुंच गए थे और मेट्रो में सफर के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखे।टिकट लेने के लिए यात्रियों की काफी लंबी–लंबी लाइनें देखने को मिली। कुछ यात्रियों को टिकट लेने के लिए धक्का– मुक्की करते हुए भी देखा गया। पहले टिकट लेने वाले यात्री काफी खुश दिखे। एक स्कूली छात्रा ने बताया कि रात से ही मैंने तैयारी की थी कि सुबह जल्दी उठना है, क्योंकि पहली मेट्रो में सफर के लिए काफी लोगों की भीड़ हुई। यहां आने के बाद लाइन में खड़ा होने के बाद टिकट लेकर पहली बार हावड़ा मैदान से मेट्रो में यात्रा कर बहुत खुश दिखी।

नदी तल के नीचे बनी है दो सुरंगें–इसमें हावड़ा मैदान–एस्प्लेनेड खंड भारत में पहली अंडरवाटर ऐसी मेट्रो परियोजना है, जिसमें हुगली नदी तल में जलस्तर से 13 मीटर नीचे अप व डाउन लाइन के लिए दो सुरंगें (टनल) तैयार की गई है। पानी के नीचे बनी 520 मीटर लंबी इन सुरंगों में मेट्रो दौड़ रही है, जिसमें सफर का लोग आनंद उठा रहें हैं। मेट्रो को सुरंग के जरिए नदी पार करने में मात्र 45 सेकंड का समय लग रहा है। हावड़ा मैदान–एस्प्लेनेड खंड साल्टलेक सेक्टर–5 से हावड़ा मैदान को जोडने वाली 16.6 किलोमीटर लंबी ईस्ट वेस्ट मेट्रो प्रोजेक्ट का हिस्सा है। मेट्रो रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कौशिक मित्रा ने बताया कि हावड़ा मैदान– एस्प्लेनेड खंड में रविवार को छोड़कर जबकि बाकी दोनों खंड में शनिवार व रविवार को छोड़कर मेट्रो सेवाएं आम यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी।

हावड़ा मैदान से एस्प्लेनेड का किराया मात्र 10 रुपये –

मेट्रो ने इन रूटों का नया किराया चार्ट भी पहले ही जारी कर दिया है। हावड़ा मैदान से महाकरण (राइटर्स) व एस्प्लेनेड का किराया 10 रुपये रखा गया है। इस रूट में बीच में दो स्टेशन पड़ेंगे, जिसमें हावड़ा और महाकरण हैं। हावड़ा मैदान से हावड़ा स्टेशन का किराया मात्र पांच रुपये है।

प्रतिदिन चलेगी 130 मेट्रो– हावड़ा मैदान व एस्प्लेनेड से पहली मेट्रो सुबह सात बजे से चलेगी जबकि रात में दोनों दिशाओं से 9.45 बजे अंतिम मेट्रो खुलेगी। इस खंड में सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन 130 मेट्रो चलेगी, जिसमें 65 हावड़ा मैदान से जबकि 65 एस्प्लेनेड से उपलब्ध होगी। दोनों दिशाओं में मेट्रो सेवाएं 12 से 15 मिनट के अंतराल में उपलब्ध होंगी। यह मेट्रो हावड़ा को कोलकाता शहर से जोड़ेगी। एस्प्लेनेड स्टेशन से कोलकाता मेट्रो के अन्य रूटों पर जाने की वैकल्पिक सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। वहीं, कवि सुभाष– हेमंत मुखोपाध्याय खंड में पहली पहली मेट्रो सुबह नौ बजे से चलेगी जबकि शाम में दोनों दिशाओं से 4.40 बजे अंतिम मेट्रो खुलेगी।

हावड़ा मैदान से दक्षिणेश्वर का किराया 30 रुपये–

हावड़ा मैदान से मेट्रो के जरिए अब लोग एस्प्लेनेड के रास्ते दक्षिणेश्वर व कालीघाट भी जा सकेंगे। दक्षिणेश्वर तक का किराया 30 रुपये रखा गया है। हावड़ा मैदान से कालीघाट का किराया 25 रुपये जबकि रूबी का किराया 50 रुपये तय किया गया है, जो कोलकाता मेट्रो का अधिकतम किराया है। हावड़ा मैदान से पार्क स्ट्रीट का किराया 15 रुपये जबकि रवींद्र सदन व जतीन दास पार्क तक का 20 रुपये है।

सारा अली खान

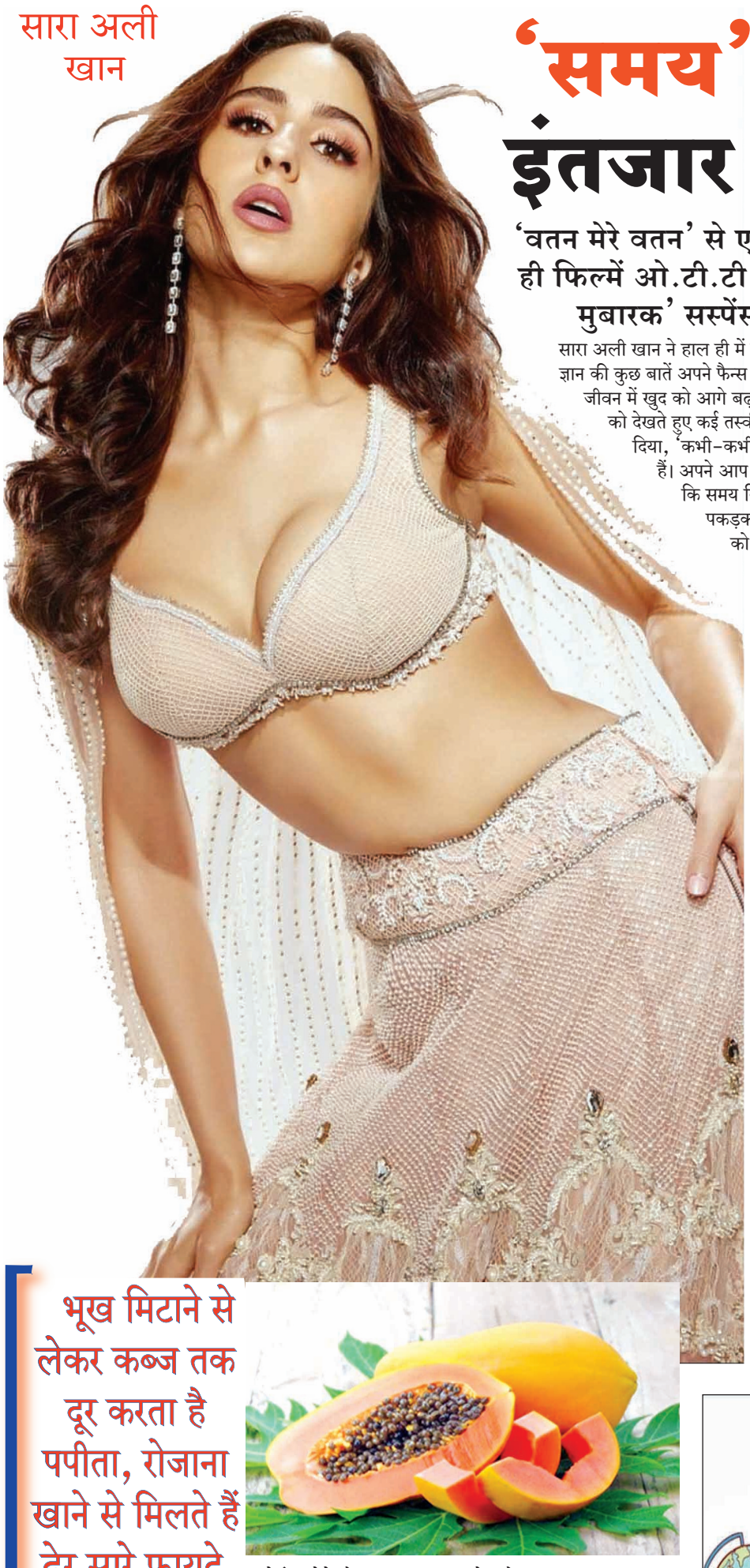

'समय' किसी का इंतजार नहीं करता

'वतन मेरे वतन' से एक हफ्ते पहले आएगी। ये दोनों ही फिल्में ओ.टी.टी. पर सीधे रिलीज होंगी। 'मर्डर मुबारक' सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है।

सारा अली खान ने हाल ही में खुद के साथ समय बिताने के लिए समय निकाला और ज्ञान की कुछ बातें अपने फैन्स के साथ साझा कीं और कहा कि 'भूल जाना और जीवन में खुद को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। सारा ने अपने इंस्टाग्राम पर सूर्यास्त को देखते हुए कई तस्वीरें शेयर कीं। उसने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन दिया, 'कभी-कभी हम खुद से बातचीत करते हुए खूबसूरत पल बिताते हैं। अपने आप को यह याद दिलाने के लिए सूर्यास्त देखना जरूरी है कि समय किसी का इंतजार नहीं करता और आप मुट्ठी में रेत को पकड़कर नहीं बैठ सकते। तो पुरानी बातों को भूलने और खुद को आगे बढ़ाने का प्रयास करें। दिल पर बोझ मत रखो और आप जैसे हो, खुद को बस वैसा ही रहने दो। सारा की इन तस्वीरों और इनके कैप्शन को देखकर फैन्स अंदाजा लगा रहे हैं कि कहीं सारा हार्टब्रेक यानी 'ब्रेकअप' से तो नहीं गुजर रही है?

सारा अपने चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती है। यही नहीं वह अपनी मां से कितना प्यार करती है, यह भी हर कोई जनता है। हाल ही में मां को जन्मदिन पर बधाई देने के साथ ही उसने उनके प्रति अपना प्यार भी व्यक्त किया है। उसकी मां अमृता सिंह 66 साल की हो गई हैं। सारा ने दो अनदेखी तस्वीरें शेयर कर उनको बर्थडे विश किया। इन तस्वीरों के साथ उसने लिखा, 'मेरी दुनिया मेरी मॉमी जान, मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य है आपका मान और आपकी आन-बान-शान में बढ़ौतरी करना।' इसके साथ ही सारा ने यह भी लिखा, 'आप ही मेरी दुनिया और जहान हो। थैंक्यू मां आपने दिया इतना बड़ा आसमान कि मैं उड़ान का सपना देख सकूं।'

गौरतलब है कि सारा अपने माता-पिता (अमृता सिंह और सैल अली खान) के तलाक के बाद से ही मां के साथ रहती है। दोनों के बीच बहुत गहरा संबंध है। अक्सर मां-बेटी की ये जोड़ी साथ में पार्टी करती और छुट्टियों पर अच्छा समय बिताती हुई नजर आ जाती है। सारा हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'मर्डर मुबारक' का हिस्सा है जो उसकी फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' से एक हफ्ते पहले आएगी। ये दोनों ही फिल्में ओ.टी.टी. पर सीधे रिलीज होंगी। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी 'मर्डर मुबारक' 15 मार्च को आएगी जो सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है जबकि 'ऐ वतन मेरे वतन' 21 मार्च को हिन्दी के साथ ही तमिल, तेलुगु, मलयालम एवं कन्नड़ भाषाओं में रिलीज की जाएगी। उसको अन्य फिल्मों में 'मैट्रो... इन दिनों', 'डॉन 3' से लेकर 'भूल भुलैया 3' शामिल हैं।

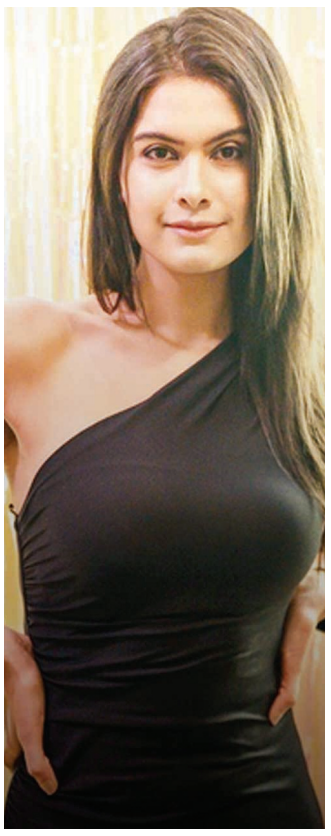

'पोपटलाल' की दुल्हन बनेगी

पूजा भारती शर्मा

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में एक और किरदार की एंट्री हुई है। सबके चहेते पोपटलाल की जिंदगी संवरने वाली है क्योंकि उसे उसकी लेडीलव मिल गई है। पोपटलाल की शादी का सपना पूरा हो सकता है क्योंकि मेकर्स को पोपटलाल के लिए सही लड़की मिलगई है। पूजा भारती शर्मा ने शो में एंट्री की है। सूत्रों का दावा है पूजा शो में कैमियो करेगी और उसका रोल काफी मजेदार है। वह पोपटलाल के अपोजिट कास्ट हुई है और उसके किरदार का नाम अनोखी है जिसे पहली नजर में देखकर ही पोपटलाल दिल दे बैठता है।

पूजा ने चार्टेड अकाउंटेंसी की पढ़ाई की है। वह 'दस जून की रात', 'छोटी सरदारनी' जैसे कई शोज में काम कर चुकी है लेकिन उसको अभी तक कम ही लोग जानते हैं। हालांकि, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' उसके करियर के लिए संजीवनी बना

भूख मिटाने से लेकर कब्ज तक दूर करता है पपीता, रोजाना खाने से मिलते हैं ढेर सारे फायदे

नई दिल्ली : इस समय पपीता का सीजन चल रहा है। ऐसे में आप बिना कुछ किए सिर्फ रोजाना पपीता खाकर भी अपनी सेहत बना सकते हैं। कुछ लोगों को लगता है कि सेब और कीवी जैसे फल ही सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होते हैं लेकिन अगर आप मौसम के हिसाब से फलों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो शरीर के लिए अधिक फायदेमंद होते है। अगर आप पपीते का खाली पेट सेवन करते हैं तो इसके ढेरों लाभ मिलते हैं। आज हम आपको पपीता खाने के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

कब्ज से छुट्टी- पपीता में पपेन नाम का एंजाइम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर के लिए काफी लाभदायक माना जाता है। खासतौर से जिन लोगों को कब्ज की दिक्कत रहती है, उन्हें तो पपीता का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे आपका पाचन भी ठीक होता है।

न्यूट्रिशन- खाली पेट पपीता खाने से शरीर इसमें मौजूद न्यूट्रिशन को सही मात्रा में अब्जॉर्ब करता है। इससे इस फल का भरपूर फायदा आपकी बॉडी को मिलता है।

भूख मिटाए- अगर आप अपना वजन घटाना चाहते हैं तो इसमें भी पपीता आपकी काफी मदद कर सकता है। इसे खाने से आपको जल्दी भूख नहीं लगती है, जिससे आपका वजन भी कंट्रोल में रहता है।

स्वत्वाधिकारी ***'बात हिन्दुस्तान की'*** *(पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-**उमेश तिवारी,** फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी , ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com*

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 8902221434 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)